बाजार में दूसरे दिन गिरावट, सूचकांक 257 अंक टूटा

मुंबई, 3 नवंबर (भाषा)।

घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में गिरावट रही और बीएसई सूचकांक 257 अंक टूटकर बंद हुआ। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक के नतीजे आने से पहले निवेशकों ने बाजार से दूरी रखी। ऐसी संभावना है कि फेडरल रिजर्व महामारी के दौरान अर्थव्यवस्था को राहत देने के लिए शुरू किए गए प्रोत्साहन पैकेज में धीरे–धीरे कमी लाने की घोषणा कर सकता है। तीस शेयरों पर आधारित सूचकांक 257.14 अंक यानी 0.43 फीसद की गिरावट के साथ 59,771.92 अंक पर बंद हुआ।

इसी प्रकार, नेशनल स्टाक एक्सचेंज का निफ्टी 59.75 अंक यानी 0.33 फीसद टूटकर 17,829.20 अंक पर बंद हुआ। सूचकांक के शेयरों में 3.06 फीसद की गिरावट के साथ सन फार्मा सर्वाधिक नुकसान में रही। इसके अलावा इंडसइंड बैंक, भारती एअरटेल, कोटक बैंक, आईसीआईसीआइ बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक भी प्रमुख रूप से नुकसान में रहे। दूसरी तरफ, एलएंडटी, एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, एसबीआइ, टाटा स्टील और बजाज फाइनेंस लाभ में रहने वाले शेयरों में शामिल हैं। इनमें 3.99 फीसद तक की तेजी रही। भारतीय स्टेट बैंक के तिमाही परिणाम के बाद इसके शेयर में 1.14 फीसद की तेजी आई। फंसे कर्ज में कमी से बैंक का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 69 फीसद उछल कर 8,889.84 करोड़ रुपए रहा।

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि बाजार में सुधार के बाद शुरुआत अच्छी रही। लेकिन यह तेजी कायम नहीं रह पाई और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति घोषणा से पहले वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख के साथ घरेलू बाजार नीचे आए। उन्होंने कहा कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक निकट भविष्य में बांड खरीद कार्यक्रम में कमी की घोषणा कर सकता है। साथ ही अगर नीतिगत दर में तेजी का संकेत देता है तो निवेशकों पर असर पड़ सकता है। तेजी से बांड खरीद कार्यक्रम में कमी का कोई भी संकेत शेयर बाजार पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगा। अगर ऐसा नहीं होता है तो इस कमजोर रुख वाली स्थिति में बदलाव देखने को मिल सकता है। घरेलू शेयर बाजारों का प्रदर्शन हिंदू वर्ष संवत 2077 के दौरान शानदार रहा। सूचकांक इस दौरान 16,133.94 अंक यानी 36.97 फीसद मजबूत हुआ, जबकि निफ्टी 5,048.95 अंक यानी 39.50 फीसद मजबूत हुआ।

बाजार में संवत 2078 की शुरुआत के साथ एक घंटे का विशेष मुहूर्त कारोबार दिवाली (बृहस्पतिवार) के दिन होगा। क्षेत्रवार सूचकांकों में बुधवार को बैंक, वाहन, टिकाऊ उपभोक्ता और वित्तीय सूचकांकों में 1.50 फीसद तक की गिरावट आई, जबकि पूंजीगत सामान, रियल्टी, धातु और औद्योगिक सूचकांक लाभ में रहे।

बीएसई मिडकैप और स्मालकैप (मझोली और छोटी कंपनियों से जुड़ा) 0.32 फीसद तक नीचे आए। एशिया के अन्य बाजारों में चीन में शंघाई कम्पोजिट, हांगकांग का हैंगसेंग और दक्षिण कोरिया का कास्पी नुकसान में रहे, जबकि जापान के निक्की में अवकाश रहा।

निर्माण समूह की 70 करोड़ की अघोषित आय का पता चला

नई दिल्ली, 3 नवंबर (भाषा)।

आयकर विभाग ने कर्नाटक के एक अग्रणी निर्माण समूह पर हाल ही में डाले गए छापे में 70 करोड़ रुपए से अधिक की अघोषित आय का पता लगाया है।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने बुधवार को जारी एक बयान में बताया कि आयकर विभाग के तलाशी अभियान के दौरान 70 करोड़ रुपए से अधिक की बेहिसाबी आय के बारे में पता चला है। कंपनी ने इसे अपनी अघोषित आय के तौर पर स्वीकार भी कर लिया है। आयकर विभाग ने 28 अक्तूबर को इस निर्माण कंपनी के उत्तर कर्नाटक स्थित कई ठिकानों की तलाशी के लिए अभियान चलाया था।

आयकर विभाग की नीति निर्धारक संस्था सीबीडीटी ने बताया कि यह निर्माण समूह कच्चे माल की खरीद, श्रमिकों पर आने वाली लागत और छोटे ठेकेदारों को भुगतान से जुड़े फर्जी कागजात पेश कर अपने मुनाफे को दबाने की कोशिश करता रहा है। जब्त दस्तावेजों की पड़ताल से पता चला है कि निर्माण सामग्रियों के वेंडरों व आपूर्तिकर्ताओं से समूह के एक महत्त्वपूर्ण व्यक्ति ने बेहिसाबी नकद राशि ली है। समूह ने अपने अधिकारियों के रिश्तेदारों, दोस्तों व कर्मचारियों को भी उप ठेकेदारों के तौर पर दिखाया, जबकि उनके पास निर्माण कार्यों की कोई क्षमता व योग्यता नहीं थी। सीबीडीटी के मुताबिक, आयकर विभाग के तलाशी अभियान से पता चला है कि यह निर्माण समूह इस तरह के लेनदेन से बेहिसाबी नकदी जुटा रहा था।

मजदूर संगठनों का बजट सत्र के दौरान दो दिन हड़ताल का आह्वान

नई दिल्ली, 3 नवंबर (भाषा)।

केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के एक संयुक्त मंच ने अगले साल संसद के बजट सत्र के दौरान दो दिन की हड़ताल का आह्वान किया है।

ट्रेड यूनियनों ने सरकारी कंपनियों में हिस्सेदारी के विनिवेश और मूल्यवृद्धि समेत कई अन्य मुद्दों को लेकर हड़ताल पर जाने की घोषणा की है। इस संबंध में जारी संयुक्त बयान के अनुसार सरकार के निजीकरण पर जोर देने से पैदा हो रही स्थिति और राष्ट्रीय मौद्रिकरण पाइप लाइन (एनएमपी) नीति पर विचार करने के लिए एक नवंबर, 2021 को मंच की बैठक में हड़ताल का निर्णय लिया गया।

बयान में कहा गया कि इस नीति के खतरनाक प्रभावों से अवगत कराने के लिए बैठक में लोगों तक पहुंचने का निर्णय लिया गया। इसकी शुरुआत 11 नवंबर को दिल्ली में ट्रेड यूनियनों के राष्ट्रीय सम्मेलन के साथ की जाएगी और व्यापक हस्ताक्षर अभियान समेत राज्यस्तरीय सम्मेलन और प्रदर्शन भी किया जाएगा। बैठक में 26 नवंबर को ट्रेड यूनियनों की राष्ट्रीय आम हड़ताल की वर्षगांठ और किसान विरोध मार्च दिवस के रूप में मनाने का निर्णय भी लिया गया।